हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

रविवार

10 मई 2026, बरेली

PAGE NO.- 11 : MIDDLE

जागरुकता से रुकेगी जीवन शैली आधारित बीमारियां

- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हुई कांफ्रेंस
- तेजी से बढ़ते असंचारी रोगों पर विचार विमर्श

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। मरीजों का उपचार, भविष्य के चिकित्सकों को शिक्षा एवं ट्रेनिंग, बीमारियों पर शोध और जन स्वास्थ्य पर जागरुकता, यह स्वास्थ्य संस्थानों के चार पिलर हैं। इन सभी पर एक साथ काम होना जरूरी है। एसजीपीजीआई लखनऊ के डायरेक्टर पद्मश्री डॉ.आरके धीमन ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय कांफ्रेंस दूसरी यूपीसीसीडीएस आईकोन व एसआरएमएस मेडिसिन अपडेट के 6 वें संस्करण के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र में कही।

एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया की बरेली शाखा (एपीआई) के सहयोग से एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के जनरल मेडिसिन विभाग और क्लिनिको कार्डियो डायबिटीज सोसायटी ऑफ इंडिया यूपी चैप्टर की ओर से शनिवार को यह कार्यक्रम शुरू हुआ। पहले दिन उद्घाटन सत्र के साथ आठ साइंटिफिक सत्र हुए, जिसमें देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मधुमेह, कार्डियो-मेटाबोलिक रोग, हाइपरटेंशन, किडनी रोग, यौन स्वास्थ्य एवं आधुनिक चिकित्सा तकनीकों पर नवीनतम जानकारियां साझा कीं। उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति ने मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए विद्यार्थियों को मरीज के पास बेड साइड रह कर सीखने पर जोर दिया। डा.एएन राय ने तेजी से बढ़ते असंचारी रोगों पर विचार विमर्श के लिए गठित क्लिनिको कार्डियो डायबिटीज सोसायटी ऑफ इंडिया (सीसीडीएसआई) की स्थापना की जानकारी दी। उन्होंने जीवन शैली पर आधारित बीमारियों, उनकी रोकथाम के उपायों की जानकारी दी।

एसआरएमएस में कांफ्रेंस में आईएमए के प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. रवीश का स्वागत किया।

इस मौके पर डॉ.अनुज माहेश्वरी, डा.एमएस बुटोला डॉ. स्मिता गुप्ता डॉ.मधुकर राय, डॉ.अनिल कुमार बिरमानी, डा. अनुज माहेश्वरी, यूपी आईएमए के प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. रवीश अग्रवाल, आईएमए बरेली के प्रेसिडेंट डॉ.अतुल श्रीवास्तव मौजूद रहे।